is danger. We cannot go on living in fear. We cannot live with this kind of a panic situation in Kerala. I would request the Prime Minister and the Centre to take some action. MPs from Kerala held protests inside the Parliament House complex. It is not a joke. It is a question of life and death for us. The Centre must intervene and resolve the issue as early as possible.

———————

Need to enforce traffic rules strictly

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार) : धन्यवाद, सर। मैं आप के माध्यम से एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय की ओर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। सर, हमारे यहां सड़क पर पैदल चलने वालों की संख्या बहुत है। पैदल सड़क पार करने वालों के लिए Zebra crossing बनाए गए हैं और यह नीति बनायी गई है कि दिल्ली में सड़क पर 40 और 60 की स्पीड पर गाड़ियां चलेंगी और Zebra crossing के पास गाड़ी slow चलायी जाएगी, लेकिन यहां सड़क पर सौ किलो मीटर की रफ्तार से गाड़ियां चलती हैं और सारे नियम और कानून धरे रहे जाते हैं।

सर, कल एन.एच. 8 पर एक हैड कांस्टेबल रोड क्रॉसिंग करते वक्त तेज रफ्तार गाड़ी की चपेट में आकर मर गया, यानी zebra crossing पर भी गाड़ियां सौ किलो मीटर की रफ्तार से चलायी जाती हैं। सर, मैं चाहता हूं कि इस संबंध में ठोस कानून बनाया जाना चाहिए और जो लोग high speed में गाड़ी चलाते हैं, उनके लिए सख्त सज़ा के प्रावधान किये जाने चाहिए। यही मेरा कहना है क्योंकि pedestrian लोगों को भी road cross करने का अधिकार है।

———————

Forcible removing of turbans of Sikhs in Italy

SHRI NARESH GUJRAL (Punjab): Sir, time and again, we have been raising the issue in Parliament of Sikhs being humiliated all over the world by being forced to remove their turban on the pretext of security.

Sir, this year, in March, one Mr. Amritender Singh, coach of the famous golfer, Jeev Milkha Singh, was humiliated, not once but twice, in Milan, Italy. The hon. External Affairs Minister gave us the assurance that the Italian Government would be appropriately conveyed the sentiments of the Sikh community and that they would be sensitized about the turban and the Sikh religion. Despite repeated assurances, sadly, another incident has taken place at the same Milan airport five days back. This time, a Jet Airways commander, Sardar Ravjot Singh Dhupia, was asked to remove his turban. While he protested and tried to explain about the sanctity of the turban for a Sikh, the security officials callously forced him to remove his turban and publicly humiliated him.

Sir, one after another, Sikhs are being targeted in foreign countries. It happened with India's UN Envoy, Pradeep Singh Puri, in the US, it is continuously happening in Italy, and it

repeatedly happens in France. This has outraged the entire Sikh community worldwide. The Government of India has been giving false assurances to the Sikh community, but so far, has failed to protect their honour and dignity.

I would urge the hon. Foreign Minister to urgently summon the Italian Ambassador and express his as well as the country's displeasure, in no uncertain terms, so that the brave Sikh community is not insulted again.

SARDAR SUKHDEV SINGH DHINDSA (Punjab): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्री **एस.एस. अहलुवालिया** (झारखंड) : सर, मैं श्री नरेश गुजराल द्वारा किए गए zero hour mention से स्वयं को सम्बद्ध करते हुए कहना चाहता हूं कि सिखों की पगड़ी के साथ खासकर इटली के मिलान शहर में जो कुछ हो रहा है, वह चिंता का विषय है। इस के पहले जीव मिल्खा सिंह के ट्रेनर को कहा गया कि पगड़ी उतार कर ट्रे में डालिए। वह scan होकर जाएगी। पगड़ी कोई ऐसी चीज नहीं है जो स्कैन की जाए, फिर उतारकर रखी जाए और टोपी की तरह पहन ली जाए। पगड़ी, सिर का ताज है, सम्मान है, respect है, recognition है और धर्म की एक पहचान है। उसको उतारकर सिक्योरिटी चैक का जो नया तरीका मिलान में ईजाद हुआ है, उसकी घोर निंदा होनी चाहिए। इसके पहले भी जब जीव मिल्खा सिंह के ट्रेनर के साथ ऐसा हुआ था, तो उस समय मैंने सदन में यह सवाल उठाया था। उस समय विदेश मंत्री जी ने कहा था कि हमने इटली के Ambassador को बुलाकर कहा है और उन्होंने क्षमा मांगी है। आज पुनः जैट एयरवेज़ के एक पॉयलट के साथ ऐसी दुर्घटना घटी है, यह दुर्भाग्यजनक है। हमारे साथ यह खिलवाड़ होता है। US में हमारी Ambassador मीरा शंकर की साड़ी को चैक किया जाता है, हमारे डिप्लोमेट हरदीप पुरी के साथ ऐसा घोर अत्याचार होता है। ऐसा क्यों होता है? इस बारे में क्यों नहीं कोई पालिसी बनती? जिस देश का प्रधान मंत्री पगड़ीधारी हो, उस देश के पगड़ीधारियों के साथ इस तरह का अपमान बरदाश्त नहीं होगा ...(**व्यवधान**) यह सरदारी लेने के लिए गुरु गोविन्द सिंह ने अपने बच्चे शहीद किए हैं और देश की सुरक्षा, जनेऊ, तिलक और बोदी की रक्षा करने के लिए पहले उनकी पिताजी शहीद हुए और फिर उनके बच्चे शहीद हुए, तब जाकर उन्होंने ये सरदारी ली, यह पगड़ी ली और यह पगड़ी पहचान बनी। हिंदू धर्म की रक्षा करने के लिए यह सब कुछ हुआ। जो दलित और पीड़ित लोग हैं, उनकी रक्षा करने के लिए, उनकी बाजू पकड़कर उनको ऊपर उठाया गया। आज उस पगड़ी पर जो सवाल उठ रहा है, वह दुर्भाग्यजनक है और सरकार इसको अच्छी तरह से नहीं ले रही है। फ्रांस में भी यही हुआ, यूरोपियन देशों में ऐसा हो रहा है, खासकर उस इटली में यह बार-बार हो रहा है, जिस इटली का चीज़ प्रोडक्शन, सिख कम्युनिटी करती है। आपको पता होगा कि पूरी इटली का जो फेमस चीज़ प्रोडक्शन है, वह वहां की सिख कम्युनिटी करती है, सिख फार्मर करता है। वहां पगड़ी के साथ यह अपमान बरदाश्त नहीं होगा। मेरी आपसे मांग है कि आप तुरन्त इटली के Ambassador को बुलाकर, उन्हें आगाह करें कि अगर आइंदा पगड़ी के साथ ऐसा कुछ हुआ, तो हमारे यहां अगर इटली का कोई डिप्लोमेट आएगा या कोई और व्यक्ति आएगा, तो हम भी माफिया बनाकर, उनको यहां खड़ा करके, बिठाकर रखेंगे, ऐसा उनको बताने की जरूरत है।

PROF. P.J. KURIEN (Kerala): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Naresh Gujral.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Naresh Gujral.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Naresh Gujral.

SHRI MOINUL HASSAN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Naresh Gujral.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, sit down. The entire House is in agreement. There is no need to speak. Then, the entire House should speak. Yes, you can speak.

सरदार सुखदेव सिंह ढिंडसा : उपसभापति जी, नरेश जी ने जो विषय उठाया है, यह लोक सभा में और राज्य सभा में भी कई बार उठ चुका है। कई दफा सरकार ऐश्योरेंस दे चुकी है कि हमने बात की। उपसभापति जी, आपको याद होगा कि आप एक बार यूरोपियन पार्लियामेंट में हमें लीड कर रहे थे, मैं मेंबर था, तो उस वक्त भी हमने उनसे कहा था और फ्रांस में उस वक्त जो कुछ हो रहा था, हम फ्रांस के एम.पीज़ से भी मिले थे और उन्होंने भी हमें ऐश्योरेंस दी थी, लेकिन आज तक सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। वे ऐश्योरेंस तो देते रहे हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी को बुलाकर ताड़ना की जाए कि आगे से ऐसा न हो। मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि भविष्य में ऐसा कुछ नहीं होना चाहिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The entire House joins in condemning this incidence and this message should be conveyed to the Minister.

SPECIAL MENTIONS

Need to revolutionise education system by making it skill oriented and vocationalised from elementary stage

DR. JANARDHAN WAGHMARE (Maharashtra): Sir, our education system is the system of the elitist class, by the elitist class and for the elitist class from the very beginning.

It has always ignored the masses while framing the structure, the syllabi, the courses and the contents. The textbooks reflect, by and large, the urban elitism which we have harboured in the education system right from the colonial times till today with a few superficial changes. The education reforms, that we have introduced after independence, do not alter the lives of the common people living in the rural areas.

Recently, we have passed a very important legislation making education a Fundamental Right. Sarva Shiksha Abhiyan is a laudable effort to educate the children. But, look at the pathetic conditions of our schools in the rural areas. No teachers, no teaching. Our children get schooling but no education. The education system is churning millions and millions without